हृदय और धड़कन

वर्ष-4, अंक-46, अक्टूबर 20, 2013

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. सौरभ जयस्वाल	+91-73548 91044

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

वास्क्युलर और एन्डोवास्क्युलर सर्जन

डॉ. सृजल शाह	+91-91377 88088

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

शुभ दिपावली

सीम्स अस्पताल सभी वाचको को दिवाली की शुभ कामनाएँ देता है । नये साल में आपका स्वास्थ्य तंदुरस्त रहे ऐसी आशा के साथ...

- सीम्स परिवार

नन्हे दिलों की बीमारियां

डॉ मिलन चग मेरे सहकर्मी और वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ हैं। उन्होनें बड़े और बच्चों के हृदयरोगों पर विशेषज्ञता प्राप्त की है। उन्होंने अपने कीमती वक्त में से कुछ समय निकालकर जन्मजात हृदयरोगों के बारे में इसे प्रश्नोत्तरी के रूप में लिखा है।

जन्मजात हृदयरोग क्या है?

जन्मजात हृदयरोग हृदय की अनियमितताओं का एक समूह है, जो जन्म से ही बच्चे में होती हैं।

हमारे देश में जन्मजात हृदयरोग का प्रतिशत क्या है?

प्रति १०० जन्में बच्चों में से एक बच्चे को जन्मजात हृदयरोग हो सकता है।

क्या जन्मजात हृदयरोग से पीड़ित बच्चे के रोग का निदान व इलाज समय पर हो सकता है? क्या यह रोग घातक होतें हैं?

दुर्भाग्यवश प्रतिवर्ष जन्मजात हृदयरोग के साथ जन्मे २,००.००० बच्चों में से केवल ५००० बच्चों का निदान व इलाज समय पर होता है। इसका मुख्य कारण यह है कि माता - पिता व समाज जन्मजात हृदयरोग के लक्षण व चिन्हों से अवगत नहीं होते। अगर इन रोगों का निदान जन्म के बाद जल्दी ही नहीं किया जाए तो ऐसे ३३ प्रतिशत बच्चे एक साल के पहले ही मर जाते हैं।

जन्मजात हृदयरोग के लक्षण क्या हैं? किन केसों को बालरोग विशेषज्ञ को जल्द से जल्द दिखाया जाना चाहिए?

हर माता-पिता, फेमिली डॉक्टर, और बालरोग विशेषज्ञ को एक नवजात शिशु में निम्न लक्षणों को देखना चाहिए। अगर नवजात में निम्न लक्षण हैं तो उसे बाल हृदयरोग विशेषज्ञ को दिखा कर निदान करवाना चाहिए।

- तेज श्वसन
- पूरी तरह पोषण लेने में परेशानी
- बच्चे की रंगत नीली या स्लेटी होने लगे
- बच्चा सुस्त फीका व एनिमिक दिखे
- जरूरत से ज्यादा खाँसी या छाती का बार - बार संक्रमण
- खिलाते हुए अत्यधिक पसीना आना
- अत्यधिक रोना
- बच्चे का वजन नहीं बढ़ रहा हो या उसका शारीरिक विकास धीमा है
- किसी डॉक्टर के क्लीनिकल परीक्षण के समय हृदय में अतिरिक्त आवाजें
- ऑक्सीजन की मात्रा नापने पर कम आए
- एक्स - रे करने पर हृदय का बढ़ा हुआ आकार
- अन्तिम तीन परीक्षण जन्म के बाद डॉक्टर के द्वारा किये जाते हैं

जन्मजात हृदयरोग के प्रकार क्या हैं? क्या हर केस का ऑपरेशन जरूरी है?

सामान्यतया जन्मजात हृदयरोग (क्त्त्र) में एक संकरा वाल्व हो सकता है, या हृदय के खंडों के बीच छेद हो सकते हैं, या रक्त के प्रवहन वाली महाधमनी या महाशिरा गलत जगह स्थित हो या अर्धविकसित हो.

सब के सब जन्मजात हृदयरोग (क्त्त्र) में ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं होती है। संकरे वाल्व या कोशिकाएं बलून एन्जियोप्लास्टी से चौड़ी की जा सकती है। इसी प्रकार हृदय के खंडों के बीच के छेद कॉइल्स या अंब्रेला के द्वारा ऑपरेशन के बिना बंद किये जा सकते हैं। इन विधियों में चीर-फाड़ की आवश्यकता नहीं होती है, टांके नहीं लगते हैं, और शिशु का इलाज होता है और वह एक सामान्य जीवन जीने के लायक हो जाता है।

ऐसा विश्वास किया जाता है कि हृदय के ऑपरेशन के लिए बच्चे का वजन १० किलो व उम्र ५ साल से ज्यादा होनी चाहिए, क्या यह सच है?

नहीं, यह एक गंभीर व दुर्भाग्यपूर्ण मान्यता है। प्रत्येक शिशु का क्तन्न की गम्भीरता के अनुसार इलाज किया जाता है, भले ही बच्चा एक दिन का हो व उसका वजन केवल दो किलो हो। अगर उसकी स्थिति की शीघ्र ही देखभाल की आवश्यकता है तो इसे दिया जा सकता है और दिया जाना चाहिए, अगर इलाज में देरी होने पर कई अवस्थाओं में रोग असाध्य हो सकता है और यहां तक शिशु की मृत्यु भी हो सकती है।

इस बीमारी के कारण क्या हैं?

अधिकतर कारणों में क्तन्न भ्रूण के विकास के साथ प्राकृतिक रूप से होती है। कुछ अवस्थाओं में क्रोमोज़ोमल असामान्यता के कारण या गर्भधारण के समय किसी वायरल संक्रमण के कारण, या किन्हीं दवाओ के विपरीत असर के कारण भी हो सकती है।

जन्मजात हृदयरोग (क्तन्न) का शीध्रता से किस प्रकार निदान किया जा सकता है?

इन बीमारियों के शीघ्र निदान के लिए माता - पिता, फेमिली डॉक्टर और बालरोग विशेषज्ञ की जागरुकता व सजगता बहुत आवश्यक है। ऐसे डॉक्टरों को इन बीमारियों के बारे में जानकारी होनी चाहिए और बालरोग हृदय विशेषज्ञ से शीघ्रताशीघ्र परामर्श किया जाना चाहिए.

अगर परिवार के एक बच्चे को जन्मजात हृदयरोग (क्तन्न) है, तो क्या उस परिवार के दूसरे बच्चे को भी जन्मजात हृदयरोग (क्तन्न) हो सकता है?

अगर परिवार के एक बच्चे को जन्मजात हृदयरोग (क्तन्न) है तो उसी परिवार के दूसरे बच्चे को जन्मजात हृदयरोग (क्तन्न) होने की संभावना २ से ३ प्रतिशत है। इन केसेज में अगले बच्चे के प्रसव से पहले गर्भावस्था के १८वें व २०वें सप्ताह में गर्भस्थ शिशु के हृदय का इकोकार्डियोग्राफी परीक्षण जन्मजात हृदयरोग (क्तन्न) के निदान के लिए करवा लेना चाहिए।

वर्ल्ड हार्ट डे

सीम्स अस्पताल द्वारा दिनांक 29 सितम्बर, 2013 के दिन वर्ल्ड हार्ट डे दिन के अवसर पर हार्ट वोक का आयोजन किया गया जिसमें GMERS मेडिकल कॉलेज, सोला के 200 जितने विद्यार्थीओने हिस्सा ले के अपना जोश दिखाया ।

वोक के अंत में वोक में भाग लेने वाले सभी लोगो का निःशुल्क ब्लड प्रेशर की जाँच और ब्लड सुगर टेस्ट किया गया था ।

हृदय का वाल्व बदलना

हृदय में चार वाल्व या परदे होते हैं। उनका काम हृदय में रक्त योग्य दिशा में जाए इसका ध्यान रखना है। कई बार हृदय के वाल्व को जिस तरह काम करना चाहिए उस तरह नहीं करते. इससे विशेष प्रकार की तकलीफें हो सकती हैं, जैसे हृदय के वाल्व में जन्मजात कमी हो, और उसे रिपेयरिंग की जरूरत पड़ती है। बेक्टेरियल एन्डोकारडाइटिस जैसे संक्रामक रोग भी हृदय के वाल्व को चोट पंहुचा सकते हैं, या उनका संपूर्ण नाश कर सकते हैं। वृद्धावस्था भी हृदय के वाल्व पर असर करती है।

हृदय के वाल्व के रोग में वाल्व कठोर हो जाता है, इस कारण यह योग्य रूप से खुल नहीं पाता है और रक्त के सरल और पर्याप्त प्रवाह पर असर करता है। इस स्थिति को 'स्टेनोसिस' कहते हैं। हृदय का कोई वाल्व जब कमजोर पड़ता है या खिंच जाता है तो वह सही ढंग से बंद नहीं हो पाता है और इस रिसाव को 'रिगर्जीटेशन' कहते हैं।

हृदय के वाल्व में कोई भी खराबी आने से हृदय के ऊपर काम का दबाव वढ़ जाता है और इस वढ़े हुए काम को करने के लिए हृदय आकार में बढ़ता जाता है। कुछ समय तक हृदय वाल्व की कमजोरी को इस तरह पूरी करता है हृदय धीरे-धीरे आकार में काफी बढ़ जाता है इससे हृदय के स्नायुयों को नुकसान पहुंच सकता है और इसके कारण हृदय बंद भी पड़ सकता है।

मेरी पुत्री हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ रही है, और मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रयत्न कर रही है।

उसके व डॉक्टर के बीच में कोई असमानता भी है?

दोनो समान हैं...

दोनो सख्त मेहनत करते हैं कम खाते हैं और पर्याप्त नींद से वंचित हैं... वैसे तो स्कूल में आपको यह सब करने की जो कीमत चुकानी पड़ती है इसके अवेज में आशा रखनी चाहिए कि एक दिन कोई तो आपको यह कीमत वापस चुकाएगा।

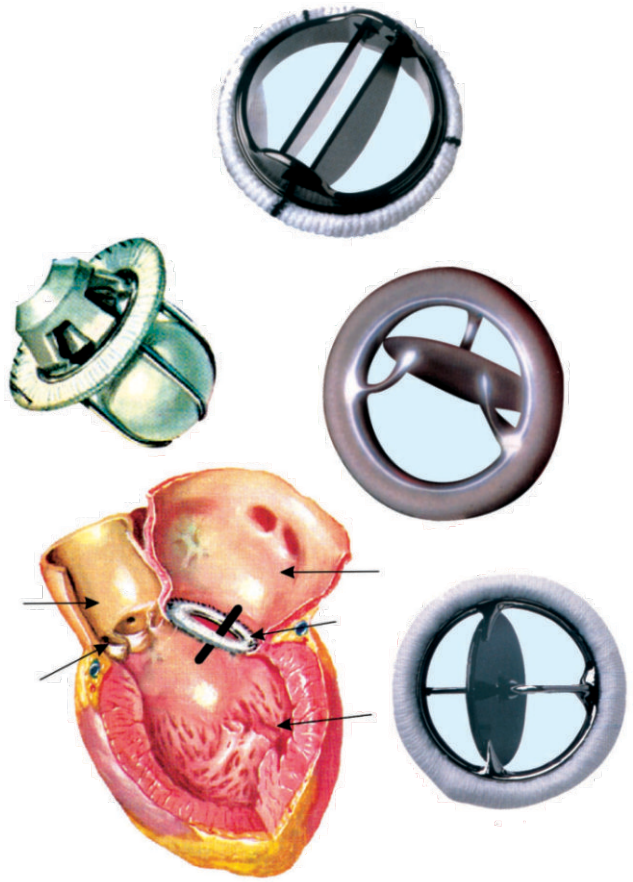

हृदय के विभिन्न प्रकार के वाल्व

कमियों के प्रकार और उनकी मरम्मत

सामान्यतया हृदय के वाल्व जिस जगह आपस में छूते हैं, वहीं वे चिपक जाने से संकरे हो जाते हैं। किसी भी तेज चीज से काटने पर इस प्रकार के अवरोध को दूर किया जा सकता है। इससे वाल्व एक दूसरे से अलग हो जाते हैं और उनको आसानी से हिलने में मदद मिलती है। गुब्बारे के द्वारा भी (वाल्व्युलोप्लास्टी) ऐसे वाल्व को खोला जा सकता है।

वाल्व के किसी भाग के ढीले पड़ने से या लंबा हो जाने से कई बार वाल्व में से रक्त उल्टी दिशा में फैंका जाता है, वाल्व के सिरे जो सामान्यतया बंद होने के लिए छूते हैं,वे एक दूसरे की ओर सरक

जाते हैं और रक्त को वाल्व में होकर उल्टी दिशा में बहने देते है। जैसे जैसे समय निकलता है और रक्त स्त्राव बढ़ता है वैसे वैसे समस्त वाल्व का आकार बढ़ता जाता है। परिणाम स्वरूप वाल्व के पंख एक दूसरे से दूर हो जाते हैं और कहीं भी एक दूसरे को छूते नहीं हैं। वाल्व अपना कार्य सामान्य रूप से करे उसके लिए वाल्व की मरम्मत करवा लेनी चाहिए।

कमियो को किस प्रकार ठीक किया जा सकता हैं?

हृदय के वाल्व का इलाज करना या नहीं, और करना तो किस तरह करना उसका निर्णय इस रोग की तीव्रता पर निर्भर करता है। कुछ लोग जब तक उनको नियमित डॉक्टरी सलाह और जांच मिलते रहे तब तक सामान्य जिन्दगी जी सकते हैं। अधिक कठिन परिस्थितिओं में ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। संकरे हुए कुछ वाल्व की मरम्मत केथेटर के हस्तक्षेप या ऑपरेशन के द्वारा किया जा सकता है।

वाल्व बदलने की शल्यक्रियाएं

जब हृदय का वाल्व गंभीर रूप से बिगड़ जाए या घिस गए हों एवं जब उनका काम केवल उनकी मरम्मत से ही नहीं चले, तब खराब वाल्व को निकाल कर नये वाल्व लगाए जाते हैं। मुख्य रूप से यह दो प्रकार के होते हैं।

माँसपेशी अथवा जैविक वाल्व

यह वाल्व रासायनिक प्रक्रिया में से परिक्षण किए हुए पशुओं के

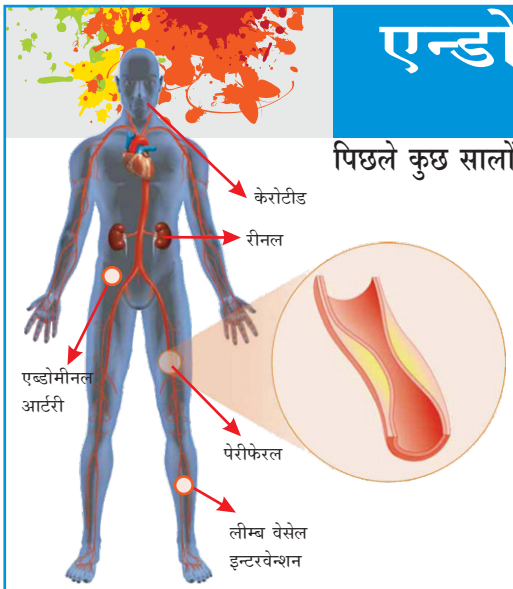

एन्डोवास्क्युलर पेरीफेरल वर्कशोप

सीम्स और अग्रणी अंतराष्ट्रीय टीम द्वारा

पिछले कुछ सालों में सीम्स में भारी मात्रा में केरोटीड ईन्टरवेन्शन के साथ अनेक एन्डोवास्क्युलर केस किये है ।

जनवरी 9-10, 2014

जो मरीज़ निम्नलिखित समस्या से पीडित है :

- केरोटीड आर्टरी स्टेनोसीस
- रेनल आर्टरी स्टेनोसीस
- एक्युट लिम्ब ईस्कीमिया
- क्रीटीकल लीम्ब ईस्कीमिया
- वेरीकोज़ वेईन्स
- डायालिसीस एक्सेस प्रक्रिया
- पल्मोनरी एम्बोलीजम
- थोरासीक आउटलेट सिन्ड्रोम
- युटेरीन फाईब्रोईड्स
- वास्क्युलर माल्फोर्मेशन
- वीनस ईनसफीसीयन्सी और वीनस अल्सर
- क्लोडिकेशन
- एओरटोलिआक ओक्लुझीव डिसीज
- फीमोरोपोप्लीटल डिसीज
- ब्रेकियोसेफालिक आर्टीरीयल डिसीज
- वीनस थ्रोम्बोएम्बोलिक डिसीज
- थोरासिक एब्डोमिनल एरोटीक एन्युरीजम
- मेसेन्टेरिक डिसीज़
- केथेटर आधारीत ईन्टरवेन्शनल फेील्योर
- हिमोडायालिसीस एक्सेस के लिए
- ईन्फ्रापोप्लीटील पेरिफेरल आर्टीरीयल डिसीज़
- ईन्ट्राक्रेनियल आर्टीरीयल स्टेनोटीक डिसीज़
- बर्टीब्रल आर्टीरीयल डीसीज़

मरीजो को निम्नलिखित निःशुल्क सेवाएँ दी जायेगी :

1. कन्सल्टैशन 2. एबीआई
3. डॉप्लर (आर्टीरीयल और वेरीकोज़ वेईन्स - यदि सूचित किया जाए तो)

ज्यादा जानकारी के लिये प्रथम पेज पर दीये गये सीम्स के कार्डियोलॉजीस्ट या वास्क्युलर सर्जन को फॉन करे ।

*संबंधित मरीजों के लिए रोजाना जाँच केम्प अक्टूबर 1, 2013 से सीम्स अस्पातल में शुरु किया गया है। समय दोपहर 2 से सांय 6 बजे तक अपोइन्टमेन्ट लेना आवश्यक है । फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008

Organized by CIMS® Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

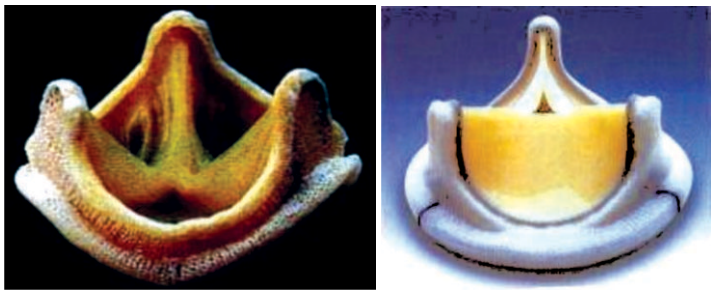

बायो प्रोस्थेटिक वाल्व

वाल्व होते हैं। इनको कपड़े से ढकी धातु या प्लास्टिक की फ्रेम में बिठाया जाता है, जिससे उन्हे हृदय के अंदर बैठाना आसान हो जाए। यह वाल्व कुछ समय के लिए ही चलते हैं पर शरीर को ज्यादा अनुकूल आते हैं, और इनके आस पास रक्त का जमाव नहीं होता।

यांत्रिक अथवा कृत्रिम वाल्व

यह टिकाउ धातु, कार्बन, सिरामिक (मिट्टी) और प्लास्टिक से बनाये जाते हैं। डेक्रोन अथवा टेफलोन की रिंग के द्वारा इस प्रकार के वाल्व को रोगी के हृदय के साथ जोड़ा जाता है। इस वाल्व का टिकाउ होना इस का मुख्य लाभ है किन्तु नुकसान यह है कि इसके आस पास रक्त के जमा हो जाने कि संभावना रहती है।

वाल्व की पसंद कई बातों पर आधारित है, रोगी की उम्र, वाल्व को हुए नुकसान का प्रमाण, वाल्व का आकार और रोगी को जिन्दगी भर रक्त जम न जाएं ऐसी दवाई लेने के सक्षम है कि नहीं, इन सब बातों का ध्यान सर्जन रखता है।

हृदय के परदे के शल्यक्रिया से लाभ

हृदय के वाल्व के रोगी खूब चुनौती भरी जिन्दगी जीते हैं। हृदय के वाल्व की शल्यक्रिया उन्हें ज्यादा अच्छी जिन्दगी जीने का वचन देती है। इस शल्यक्रिया के बाद रोगी कई ऐसे काम करता है जो पहले उसके लिए असंभव थे। पहले महिने से ही उनकी जिन्दगी में सुधार आने लगता है।

सौजन्य **'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख**

सीम्स जॉइन्ट रीप्लेसमेन्ट डिपार्टमेन्ट द्वारा

सीम्स में नियमित चेकअप के लिये आने वाले मरीज या उसके संबंधी के लिये जॉइन्ट रीप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ द्वारा

निःशुल्क जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट परामर्श

जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट सर्जरी ₹ 1.25 लाख से* शुरु

*शर्तें लागु

सीम्स अस्पताल में जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ द्वारा निःशुल्क परामर्श का लाभ उठाये

यह कटिंग साथ लाना आवश्यक है ।

डॉ. चिराग पटेल	(मो) +91-98250 24473	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	गुरुवार और शनिवार
डॉ. अमीर संघवी	(मो) +91-98250 66013	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार
डॉ. अतीत शर्मा	(मो) +91-98240 61766	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	बुधवार और शुक्रवार
डॉ. हेमांग अंबाणी	(मो) +91-98250 20120	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	सोमवार, गुरुवार और शनिवार

CIMS® Care Institute of Medical Sciences
Joint Replacement Department

अपोईन्टमेन्ट लेना आवश्यक है

+91-79-3010 1200, 3010 1008
+91-98250 66661

सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

सीम्स अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ और जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन अब से राजस्थानमें निम्नलिखित स्थान पर परामर्श के लिये मिलेगें ।

डॉक्टर का नाम	दिन	समय	स्थान	अपोइन्टमेन्ट नंबर
डॉ. सत्य गुप्ता (हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	-	**जोधपुर और पाली**	+91-9879882909
	तीसरे रविवार	-	**सुमेरपुर,सीरोही और आबु रोड**	+91-9879882909
	चौथे रविवार	-	**भीनमाल, सांचोर और धानेरा**	+91-9879882909
डॉ. विनीत सांखला (हृदयरोग विशेषज्ञ)	चौथे रविवार	सुबह 9 से 12 बजे	देवधर डायग्नोस्टिक सेन्टर शास्त्रीनगर, **नीमच**	+91-9925015056
		दोपहर 3 से 5 बजे	चौधरी अस्पताल-11, सेक्टर-4, हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-9925015056
डॉ. कश्यप शेठ (बाल हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे बुधवार	सुबह 9 से 11 बजे	जीवन ज्योत अस्पातल 365, शीव कॉलोनी, सेक्टर-6 हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-9924612288
		सुबह 11 से 1 बजे	भंडारी चिल्ड्रन अस्पताल 90-एल रोड, भोपालपुरा, **उदयपुर**।	+91-9924612288
डॉ. धीरेन शाह (हृदय की बायपासके विशेषज्ञ)	चौथे शनिवार	सुबह 10 से 1 बजे	अमर आशिष अस्पताल दामीनी होटल के नजदीक, एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, **उदयपुर** ।	+91-9825108257 +91-9099066527
डॉ. अमिर संघवी डॉ. अतीत शर्मा (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ)	पहले शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
		दोपहर 3 से 5 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
	तीसरे बुधवार	सुबह 9 से 1 बजे	जीवन ज्योत अस्पताल 365, शीव कॉलोनी, सेक्टर-6 हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
डॉ. पुरव पटेल (दिमाग और स्पाइन सर्जरी के विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 8 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-9909989428
		दोपहर 4 से 6 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-9909989428
डॉ. जयंत झाला (सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 8 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-97129 97096
		दोपहर 4 से 6 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-97129 97096
	तीसरे बुधवार	सुबह 9 से 1 बजे	जीवन ज्योत अस्पताल 365, शीव कॉलोनी, सेक्टर-6 हीरन मगरी, **उदयपुर** ।	+91-97129 97096

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2013-2015 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

भारतमें पहलीबार

RDN - रीनल डेनर्वेशन - अनियत्रिंत हायपरटेन्शन के मरीज की नये प्रकार की सारवार सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद द्वारा आरडीएन प्रोसिजर द्वारा सफलतापुर्वक पुर्ण की ।

- भारतमें हायपरटेन्शन का प्रमाण बढता जाता है ।
- एक अंदाज मुजब भारत में करीब १० करोड लोग हायपरटेन्शन का भोग बनते है और करीब १० लाख लोग की मौत होती है ।
- आरडीएन केथेटराइझेशन आधारित इन्टरवेन्शन है, जिसमें मरीज को रिफ्रेकटरी हायपरटेन्शनकी सारवार दी जाती है ।

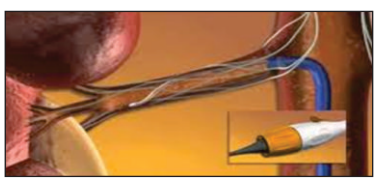

- आरडीएन के तहत हाइ फ्रीकवन्सी रख्ने वाला रीनल सिम्पेथेटिक फायबरका मिकेनिकल प्रक्रियाका नाश करके यह रोग दुर हो सकता है ।
- इस सफलता के साथ सीम्स अस्पताल प्रथम अस्पताल है जिसने हायपरटेन्शन वाले मरीज पर ऐसी प्रोसिजर की शुरुआत की ।

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

खडे हुए : डॉ. दिपक देसाई, डॉ. अनिश चंदाराणा
डॉ. हेमांग बक्षी, डॉ. केयूर परीख और डॉ. भाग्येश शाह
बैठे हुए : मरीज-१, मरीज-२, मरीज-३, मरीज-४ (अनुमती के साथ)

भारत की यह प्रथम घटना है, जिसमें डीसीजीआईकी मंजुरी की तहत मिनीमली इन्वेसीव थेरापीका इस्तेमाल करके सारवार की हो ।

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।